तुम घर जाओ वेद मुझे रोग भारी है भजन लिरिक्स

तुम घर जाओ वेद,
मुझे रोग भारी है,
रोग रो मेटणीयो मारो,
सावरीयो गिरधारी हैं,
तुम घर जावो वेद,
मुझे रोग भारी है।bd।

नाड़ी ने टटोल कांई,
दर्द कलेजे माई,
नाड़ी वेद जाणे कोनीं,
मूर्ख अनाड़ी है,
तुम घर जावो वेद,
मुझे रोग भारी है।bd।

घस घस पावे बुटी,
लागे खारी खारी रे,
राम नाम मीठो लागे,
दुजी बांतो न्यारी रे,
तुम घर जावो वेद,
मुझे रोग भारी है।bd।

कानो में कुडंलियां सोवे,
मोर मुकुट धारी है,
भुरकी झटाले बाबो,
मामे बुरकी डारी रे,
तुम घर जावो वेद,
मुझे रोग भारी है।bd।

तीन लोक तारण तिरण,
मीरा दुख हारी रे,
तारणो तुम्हारे हाथ,
अर्ज हमारी रे,
तुम घर जावो वेद,
मुझे रोग भारी है।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

तुम घर जाओ वेद,
मुझे रोग भारी है,
रोग रो मेटणीयो मारो,
सावरीयो गिरधारी हैं,
तुम घर जावो वेद,
मुझे रोग भारी है।bd।

गायक – जोग भारती जी।
प्रेषक – भाकर बिराई।
9166293033

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com